जुलाई 2020

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28			
1. अमृतवेले का योग शक्तिशाली रहा ?																															
2. विश्व को पवित्रता का सकाश दिया ?																															
3. शिव बाबा के साथ कम्बाइंड हो फुलचार्ज हुए ?																															
4. कर्म करते हुए डबल लाइट स्थिति रही ?																															
5. रात्रि सोने से पूर्व आधा घंटा योग किया ?																															

अशरीरी स्थिति बढ़ाने के अभ्यास

1. कार्य प्रति शारीरिक भान में आये फिर सेकण्ड में अशरीरी
2. शरीर रूपी चोले को धारण करने वाली में आत्मा अलग हूं।
3. जैसे बापदादा अशरीरी से शरीर में आते हैं ऐसे मैं आत्मा भी...
4. मैं आत्मा इस देह में मेहमान हूं।
5. मैं अशरीरी आत्मा, अशरीरी बाप के साथ कम्बाइन्ड हूं।
6. अभी-अभी शरीर में, अभी-अभी शरीर से परे।
7. मैं आत्मा अपने स्वीटहोम में स्वीट साइलेंस स्थिति में हूं।
8. मैं आत्मा देह से एकदम अलग हूं।
9. मैं मस्तक के अंदर चमकता हुआ सितारा हूं।
10. मैं विदेही बाप की विदेही सन्तान हूं।
11. मैं शरीर के बन्धन से मुक्त आत्मा हूं।
12. मैं देह से न्यारी विशेष आत्मा हूं।
13. मैं देह की मालिक स्वराज्य अधिकारी आत्मा हूं।
14. मैं आत्मा परमधाम निवासी हूं।
15. मैं मास्टर बीजरूप आत्मा हूं।
16. मैं पावनधाम निवासी परम पवित्र आत्मा हूं।
17. मैं वाणी से परे निर्वाणधाम निवासी आत्मा हूं।
18. मैं ब्रह्माण्ड में रहने वाली आत्मा हूं।
19. मैं शान्तिधाम निवासी स्वतंत्र हूं।
20. मैं मुक्तिधाम में सर्व बन्धनों से मुक्त आत्मा हूं।
21. मैं देह में ट्रस्टी, निमित्त आत्मा हूं।
22. मैं निराकारीधाम में निराकारी स्थिति में स्थित आत्मा हूं।
23. मैं स्वराज्य अधिकारी शक्तिशाली हूं।
24. मैं सर्वशक्ति सम्पन्न चमकती हुई मस्तकमणि हूं
25. मैं बापदादा के नयनों की नूर हूं।
26. मैं सुख, शान्ति संपन्न वरदानीमूर्त आत्मा हूं।
27. मैं आत्मा सारे जहान की नूर हूं।
28. मैं पदमापदम भाग्यशाली आत्मा हूं।
29. मैं सर्व आत्माओं को पवित्रता की सकाश देने वाली आत्मा हूं ।
30. मैं सबका संताप हरने वाली दुःखहर्ता, सुखकर्ता आत्मा हूं।
31. मैं निरन्तर परमात्मा की नजरों में समाई रहने वाली आत्मा हूं।

बार-बार अशरीरी बनने की प्रैक्टिस करें, आत्मिक स्थिति में स्थित रहें, दुःखी-अशान्त-रोगी-भटकती-तड़फती आत्माओं को सकाश दें, पवित्रता के वायब्रेशन फैलाकर वायुमण्डल को शक्तिशाली बनाने में बिजी रहें।

ओम् शान्ति